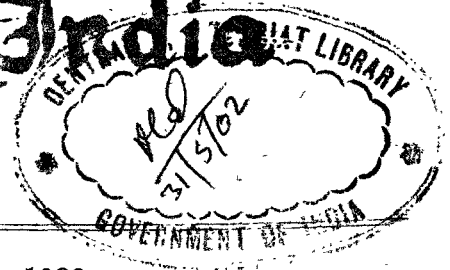




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 27]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 1, 2001/भाद्र 10, 1923

No. 27]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 1, 2001/BHADRA 10, 1923

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 2001

आ.अ. 110.—यतः 55; मधुगिरि (अ.जा.) विधान
सभा निर्वाचन क्षेत्र से 1994 में हुए कर्नाटक विधान सभा
के लिए साधारण निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री एन. लक्ष्मी-
नारासैया बेनाकानाहल्ली, मेदीगिरी हीवली, मधुगिरि तालुक,
दुमकुर जिला को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951
का 43) की धारा 10 के अधीन उक्त अधिनियम और
उसके अधीन बनाए गए नियमों और किए गए आदेशों द्वारा
यथा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में
असफल रहने के कारण इसके आदेश सं. 76/कर्ना.—वि.स./
97, तारीख 7-12-98 द्वारा निर्रहता किया गया था।

2. यतः, उक्त श्री एन. लक्ष्मीनारासैया ने उसके अधीन
कारण देते हुए उक्त निर्रहता को हटाने के लिए भारत निर्वा-
चन आयोग को एक अर्जी दी थी, और

3. यतः उक्त अर्जी के बारे में विचार करने के बाद
और जिला निर्वाचन अधिकारी, दुमकुर की रिपोर्ट कि अभ्यर्थी
ने वास्तव में समय पर अपना लेखा दाखिल किया है
लेकिन संबंधित कागजात उनके कार्यालय में दूसरे कागजों में
मिल गए थे और उनकी निर्रहता के बारे में आयोग में गलत
रिपोर्ट भेजी गई थी, तथ्य के आधार पर निर्वाचन आयोग
लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपने आदेश तारीख
2-8-2001 द्वारा श्री एन. लक्ष्मीनारासैया पर उक्त अधिनियम
की धारा 10 के अधीन लगाई गई निर्रहता को हटा दिया है।

4. अतः, अब आयोग के आदेश सं. 76/कर्ता. वि. सं./97, तारीख 7-12-98 की क्रम सं. 6 में पड़ने वाले उक्त श्री एन. लक्ष्मीनारासाiah का नाम 7-12-98 से उक्त आदेश से हटा दिया गया समझा जायेगा।

[सं. 76/कर्ता. - वि. सं./55/97]

आदेश से,
बाबू राम, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA ORDER

New Delhi, the 2nd August, 2001

O. N. 110.—Whereas, Shri N. Lakshminarasiah, Benakanahally, Medigesu Hobli Modhugiri taluk, Tumkur District who contesting the General Election to the Karnataka Legislative Assembly held in 1994 from 55-Madhugiri (SC) Assembly Constituency was disqualified under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) vide its order No. 76/KT-LA/97, dated 07-12-98 for failure to lodge an account of his election expenses as required by the said Act and the rules and orders made thereunder; and

2. Whereas, the said Shri N. Lakshminarasiah has submitted a petition before the Election Commission of India for the removal of the said disqualification giving reasons thereunder; and

3. Whereas, after considering the said petition and on the basis of the facts that District Election Officer, Tumkur has reported that the candidate has actually lodged his account in time but related papers got mixed up in his office and an erroneous report was sent to the Commission leading to his disqualification. The Election Commission, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the Representation of the People Act, 1951, has vide its order dated 2-8-2001, removed the disqualification imposed under Section 10 of the said Act, Shri N. Lakshminarasiah.

4. Now, therefore, the name of the said Shri N. Lakshminarasiah, appearing at Sl. No. 6, in Commission's order No. 76/KT-LA/97, dated 07-12-98, shall be deemed to have been omitted from the said order with effect from 7-12-98.

[No. 76/KT-LA/55/97]

By Order,
BABU RAM, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 2001

आ.सं. 111.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 22—कनारा संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से अक्तूबर, 1999 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन में

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री गार्डीकर दामोदर नारायण नायक, गार्डीकर हाउस पो. आ. मुण्डाली तालुक भाटकल (यू.के.) लोक प्रातनिधित्व अधिनियम 1951 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अर्पित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहा है;

और यतः, उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीय नहीं है;

अतः, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अंतर्गण में, निर्वाचन आयोग यह निर्देश देता है कि उक्त श्री गार्डीकर दामोदर नारायण नायक की किसी संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/कर्ता. - लो. सं./99]

आदेश से,

बाबू राम, सचिव

ORDER

New Delhi, the 7th August, 2001

O. N. 111.—Whereas, the Election Commission is satisfied that Shri Gardikar Damodhar Narayana Naik, Gardikar House, P.O. : Mundalli, Tq : Bhatkal (UK), a Contesting candidate at the General Election to the House of People held in Oct, 1999 from 22-Kanara Parliamentary Constituency has failed to lodge his account of election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate has not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gardikar Damodhar Narayana Naik, to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of States for a period of 3 years from the date of this order.

[No. 76/KT-HP/99]

By Order,
BABU RAM, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 2001

आ.अ. 112.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि विधान सभा के लिए 1999 में हुए साधारण निर्वाचन के लिए जो नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र में हुआ है स्तम्भ (3) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी लोक प्रतिनिधित्व धिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में यथा दर्शित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्तर्गत और/अथवा अपेक्षित रीति में दाखिल करने में असफल रहा है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है:—

सारणी

| क्र. सं. | संसदीय/विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र की क्र. सं. और नाम | निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता | निरर्हता का कारण |
|----------|--|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | 13—चित्तपुर | श्री विश्वनाथ मालकप्पा पो. आ. पैंथेरूर तालुक चित्तपुर, कर्नाटक | निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे। |
| 2. | 49—होलात्केरे | श्री जी. रामाप्पा मुपुल्ल परशु रामाप्पा एगलीकलचरिम्पट, रामागिरि (पी) होलात्केरे तालुक | विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल नहीं किया। |
| 3. | 60—गुम्बी | श्री बी. शिवनाजप्पा मुपुल्ल बासप्पा बेटाडाहल्ली, गुम्बी तालुक | निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया। |

[सं. 76/कर्ना.-वि.स./99]

आदेश से,

बाबू राम, सचिव

ORDER

New Delhi, the 7th August, 2001

O. N. 112.—Whereas, the Election Commission is satisfied that the contesting candidates specified in column (3) of the Table below of the General Election to the Legislative Assembly, 1999 held from the Constituency specified in column (2) against his/her name has failed to lodge his/her account of election expenses at all/in the manner required by law as shown in column (4) of the said Table, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidates have not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice and the Election Commission is satisfied that he/she has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (3) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of States for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

| Sl. No. | No. & Name of the Assembly Constituency | Name of the Contesting Candidates | Reason for Disqualification |
|---------|---|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | 13-Chittapur | Shri Vishwanath Malakappa, P.O. Pethairur Taluk, Chittapur, Karnataka. | Failed to lodge account of election expenses. |
| 2. | 49-Holalkere | Shri G. Ramappa, S/o Parashu Ramappa Agriculturist Ramagiri (P) Holalkere Taluk. | Failed to lodge account in the manner required by law. |
| 3. | 60-Gubbi | Shri B. Shivananjappa, S/o Basappa, Bettadahalli, Gubbi Taluk. | Failed to lodge account of election expenses. |

[No. 76 KT-LA/99]

By Order,
BABU RAM, Secy.

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2001

आ.अ. 113.— लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, चण्डीगढ़ प्रशासन के परामर्श से एतद्वारा श्री करण ए. सिंह, आई.ए.एस. (पी.बी. : 1984) को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से आगामी आदेशों तक के लिए, चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नामित करता है।

2. आयोग, चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में पूरे समय के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी हेतु जोर नहीं दे रहा है और श्री करण ए. सिंह, को अपना नियमित अतिरिक्त कार्यभार अपने पास रखने की अनुमति दी है।

[सं. 154/चण्डी./2001-पी. प्रशासन]

आदेश से,
ललित मोहन, अवसर सचिव

New Delhi, the 20th August, 2001

O. N. 113.—In exercise of the power conferred by sub-section (I) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950) the Election Commission of India in consultation with Union Territory Administration of Chandigarh hereby nominates Shri Karan A. Singh IAS (PB : 1984), as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Chandigarh with effect from the date he takes over charge and until further orders.

2. The Commission is not insisting on a full time Chief Electoral Officer in the Union Territory of Chandigarh and has allowed Shri Karan A. Singh to retain his regular additional charges.

[No. 154/C11/2001-P. Admn.]

By Order,
LALIT MOHAN, Under Secy.